कल्कि अवतार किस यूग में आएंगे ?

लेखक : क्यू. एस. ख़ान
(ई.मेलः hydelect@vsnl.com)

अनुवादक : अब्दुल रहमान, भोपाल

प्रकाशक
हार्मनी ऐण्ड पीस पब्लिकेशन
मुम्बई-८७

कल्कि अवतार किस युग में आएंगे ?

कल्कि अवतार तथ्य और आंकडे

पवित्र पुराण के हिसाब से कुल २४ अवतार हैं और गौतम बुद्ध २३ वें अवतार हैं, भगवत पुराण के हिसाब से २४वें अवतार का नाम कल्कि होगा।

- गौतम बुद्ध ने अपने शिष्य से कहा, ऐ नन्दा! न मैं पहला बुद्ध हूँ और न आखरी, मेरे बाद एक और आएगा-उसका नाम मैत्रेया होगा. (गोस्पेल ऑफ बुद्ध-लेखक केरस पृष्ठ २१७)

- स्वामी विवेकानंद, गुरू नानक जी हिन्दू धर्म के अनेक बड़े विद्वान जैसे पंडित सुंदरलाल, श्री.बलराम सिंह परिहार, डॉ.वेद प्रकाश उपाध्याय, डॉ. रमेश प्रसाद गर्ग, पंडित दुर्गा शंकर सत्यार्थी, श्री कशीरि लाल भगत यह मानते हैं के अवतार का अर्थ यह नहीं के ईश्वर खुद धरती पर जन्म ले, अपितु इस का अर्थ है ईश्वर का प्रतिनिधि (उत्तराधिकारी) ईश्वर का संदेशवाहक या ईशदूत। (हज़रत मुहम्मद और भारतीय धर्म ग्रन्थ-डॉ.एम.ए.श्रीवास्तव)

अवतार किस लिए आता है ?

"यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मान सृजाम्यहम।।
(भगवद्‌गीता)

- गीता के अनुसार जब पापी लोगों का समाज पर प्रभुत्व हो जाता है, और दुनिया में अराजकता फैल जाती है उस समय अवतार आ कर पापी शक्तिओं का नाश करता है, और दुनिया में पुनः शांति तथा भाईचारा स्थापित करता है और भक्तों की प्रतिष्ठा को बहाल करता है।

आखरी अवतार किस युग में आएगा ?

- अस्बोर्न व्दारा लिखित एनस्यक्लोपीडीया ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री के अनुसार धरती गृह की आयु ४५५ करोड़ साल है।
- हिन्दू धर्म के अनुसार काल को ४ युगों में बांटा गया है।
- पहला युग सतयुग। इसे कृत युग भी कहते हैं। यह १७ लाख २८ हज़ार साल लम्बा है।
- दूसरा युग त्रेता युग है। यह १२ लाख ९६ हज़ार साल लम्बा है।
- तीसरा युग है व्दापर युग। यह ८ लाख ६४ हज़ार साल लम्बा है।
- आखरी युग कलयुग है। यह ४ लाख ३६ हज़ार साल लम्बा है।
- वर्तमान युग कलयुग है और इसके लगभग ५१०० साल बीत चुके है।
- अंतिम अवतार जिनका नाम कल्कि अवतार है, कलयुग नें जन्म लेंगे। (भगवत पुराण १२:२:२७)

इत्थ कलौ गतप्राये जनेषु खर धर्मणि-१
धर्म त्राणाय सत्वेन भगवानवतरिष्यति-२

कल्कि अवतार किस साल में जन्म लेगा ?

- जैन धर्म के त्रिलोक सागर ग्रंथ (लेखक नेमी चंद) के अनुसार महावीर स्वामी की मृत्यु के ६०५ साल ५ महीने बाद शकराज ने जन्म लिया और शकराज की मृत्यु के ३९४ साल ७ महीने बाद कल्कि अवतार ने जन्म लिया।

पणछस्सयं वस्संपण मासजंद गमिय वीर णिवुइ दो।
सगराजो सो कतिक चतुणवतिद महिप सगमासं।।
(त्रिलोक सागर पृष्ठ ३२)

- उत्तर पुराण के अनुसार महावीर स्वामी के मृत्यु के १००० साल बाद कल्कि अवतार ने जन्म लिया। (गुणभद्र इंडियन ॲंटीक्वेरी, भाग UP.१४३)

- महावीर स्वामी की मृत्यु की अनुमानित वर्ष ५०० ई.पू. है इसलिए कल्कि अवतार के जन्म की अनुमानित तिथि ५०० ई. है।

कल्कि अवतार किस दिन जन्म लेंगे ?

कल्कि अवतार का जन्म माधव महिने की तारीख अर्थात १४ वीं रात से दो दिन पहले हुआ था। (कल्कि पुराण २:१५)

द्वादश्यां शुक्ल पक्षरस्य माधवे माधवम-१
जातो ददूशुत पुत्रं पित्रौदृष्टमानसौ-२
(कलकी पुराण-२:१५)

कल्कि अवतार कहाँ जन्म लेंगे ?

- कल्कि अवतार का जन्म संभल ग्राम में होगा। (कल्कि पुराण २:४)

कलकी अवतार हा संभल गावात जन्माला येईल
शम्भले विष्णुयशसो गृहे प्रादुर्भाविष्याम्यहम्।
(कलकी पुराण-२:४)

कल्कि अवतार का किस परिवार से सम्बन्ध होगा ?

- कल्कि अवतार प्रमुख पुजारी के घर में पैदा होगा. उसके पिता का नाम विष्णुयश होगा। (भगवत पुराण १२:२:१८)

शम्भल ग्राम मुख्यस्य ब्राह्मणस्य महात्मनः-१
भवने विष्णुयशसो गृहे प्रादुर्भाविष्यति-२
शम्भले विष्णुयशसो गृहे प्रादुर्भाविष्याम्यहम-
(कलकी पुराण-२:४ आणि २:११)

- कल्कि अवतार के मॉं का नाम सुमति होगा।(कल्कि पुराण २:४ एवं २:११)

सुमत्या विष्णुयशसो गर्भधत्त वैष्णवम् (कलकी पुराण-२:४)

कल्कि अवतार की विषेशताएं क्या होगी ?

- १२:२:१६ भगवत पुराण के अनुसार आठ गुणों से सजा कर ईशदूतों ने उसे एक तेज़ रफ़्तार घोड़ा और तलवार से उसके हाथ में दी, ता कि (फलतः) वह दुनिया कि रक्षा सभी कुटील तत्वों से कर सके।

अश्वमाशुगमारूमहच देव दत्तं जगृत्पतिः
असिनासाधु दमनमष्टैश्वर्य गुणान्वितः (भागवत पुराण १२ स्कंध २:१६)

- भगवत पुराण का कहना है कि कल्कि अवतार, अंतिम अवतार होगा। (१:३:२४ भगवत पुराण)

- कल्कि पुराण के अनुसार परशुराम एक पहाड़ी पर कल्कि अवतार को ज्ञान देंगे।

- कल्कि पुराण कहता है कि कल्कि अवतार उत्तर की ओर जायेगा और पुनः वापस आ जायेगा।

- कल्कि पुराण(२.५) कहता है कि कल्कि अवतार की ईश्दूतों के द्वारा सहायता की जाएगी।

चतुर्भिभ्रामृभिदेव करिष्यामी कलिक्षयम (कलकी पुराण १:३:२४)

- (१२:२:२० भगवत पुराण) का कहना है कि, कल्कि अवतार सबसे सुंदर व्यक्तित्व का होगा।

विचरन्नाशुना क्षोण्यां ह्येनाप्रतिमद्युतिः-१
नृपलिंगप्तेछदो दस्युन कोटिशोनिहनिष्यतिः-२
(भागवत पुराण १२, स्कंध २, १:२०)

- (१२:२:२१ भगवत पुराण) का कहना है कि, कल्कि अवतार का शरीर सुगन्धित होगा, और उसके चारों ओर सुगंधित हवा हो जाएगी।

अथतेषां भविष्यान्ति मनांसि विशदानिते।
वसेदेवांगसगाति पुष्पगंधा निलस्पृशाम।
(भागवत पुराण १२, स्कंध २१)

- भगवत पुराण खंड१२, अध्याय२ में यह उल्लेख किया है कि कल्कि अवतार आठ निम्न विशेष गुणों वाला होगाः ज्ञान, सम्मानित वंश, आत्मसंयम, दिव्य ज्ञान, बहादुरी, संयत भाषण, सबसे बड़े दानी और अत्याधिक आभारी।

अष्टा गुणाः पुरूषं दीप्यन्ति।
प्रज्ञा च कौल्यं दमः श्रुत च।
पराक्रमश्च बहुभाषिला च।
दानं गथा शक्ति कृतज्ञता च। (महाभारत)

- कल्कि अवतार वैदिक धर्मकी स्थापना करेगा। अब जब हमें कल्कि अवतार के बारे में बहुत सी जानकारियां हैं तो आईये हम यह पता करें कि कल्कि अवतार कब आने वाले हैं या आ के चले भी गए।

विष्लेशण

जब अमेरिका ने अफगानिस्तान, पर बी-५२ बम वर्षक विमानों से हमला किया तो वे अफगानिस्तान की भूमि को बिना छुए अमेरिका वापस लौट गए। अमेरिका ने सफलतापूर्वक पाकिस्तान में तालिबान के ठिकानों पर उपग्रह निर्देशित प्रक्षेपास्त्रों के साथ हमला किया।

तो हम एक एसे युग में हैं, जहाँ एक आदमी दुनिया के दूसरी तरफ से हमला कर के वापस आ सकते हैं। और एक मानव रहित उपग्रह निर्देशित मिसाइल ३००० किलोमीटर की दूरी से सटीकता के साथ दुश्मन के ऊपर गिराया जा सकता है।

अनुसंधान और विकास का काम इतना तेज है कि थोड़े समय के बाद लोग आकाश में एक उपग्रह पर रखे लेजर बंदूकों के माध्यम से लड़ेंगे। क्या हम अभी भी उम्मीद करते हैं कि दुनिया के रक्षक अंतिम अवतार जन्म लेंगे और घोड़े और तलवार से दुश्मन से लड़ेंगे?

ऐसा होने के लिए, पहले पूरी मानव जाति को उसकी वैज्ञानिक प्रगति के साथ नष्ट होना होगा। और फिर जो लोग बचेंगे उन्हें अपना जीवन पुनः शून्य की स्थिति से फिर से आरंभ करना होगा। और फिर उन कुछ लोगों में जो बच गए, उन के बीच में यदि कोई दुष्ट व्यक्ति है, तो वह तलवार से समाप्त हो सकता है। लेकिन क्या अगर ऐसा होता है, तो दुनिया के उद्धारक के आने का क्या फ़ायदा है। इसलिए अगर हम ऐसा सोचते हैं तो हम गलत है।

११०० ई. से अरब लोग सोडा और कोयले के मिश्रण से विस्फोटक बनाते और प्रयोग करते आ रहे हैं।

- उत्तर पुराण और त्रिलोक सागर के अनुसार महावीर स्वामी की मौत के १००० वर्षों के बाद कल्कि अवतार को जन्म लेना है, जो के लगभग ५०० ई. है। अब हमें यह पता करना चाहिए कि किसी संत या प्रसिद्ध व्यक्ति अथवा अवतार को नहीं जानते जिन्होंने भारत में ५०० ई. के आसपास जन्म लिया हो।

- तो आइये हम उन्हें भारत के बाहर खोजें। हम पिछले १५०० सालों में इतिहास के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची का अध्ययन करना चाहिए। यदि हम माइकल एच.हार्ट व्दारा लिखित किताब इतिहास के १०० सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्व देखें तो हम हज़रत मुहम्मद (स.) के रूप में पहला नाम पाते हैं, और वह ५७१ ई. में पैदा हुए और इतनी प्रसिध्दि के साथ कोई अन्य व्यक्ति ने लगभग ५०० ई. में जन्म नहीं लिया।

- यह एक संयोग है कि कल्कि अवतार और मोहम्मद साहब के जन्म का समय एक ही है। चलिए पुष्टि के लिए कल्कि अवतार को जानने और मुहम्मद साहब की पहचान कल्कि अवतार के रूप में करने के लिए, हम निम्नलिखित जानकारियां और दिव्य पुराणों में की गई भविष्यवाणियों का मिलान करते हैं।

- जन्म तिथि
- जन्म स्थान
- पारिवारिक पृष्ठभूमि
- पिता का नाम
- माता का नाम
- उनके शिक्षक या ज्ञान के स्त्रोत
- उनकी जिम्मेदारियां
- उनके सहयोगी
- उनका बुनियादी व्यक्तित्व
- आखरी अवतार होना
- अन्य सम्बंधित पूर्वानुमान

१. ***जन्म तिथिः-*** कल्कि पुराण (२:२५) के अनुसार माधव महीने की १२ तारीख अर्थात चौदहवीं के चाँद से दो दिन पहले जन्म लेगा। हज़रत मुहम्मद (स.) के जन्म का दिन १२ रबी उल अव्वल है। यह दिन भी चौदहवीं के चाँद से दो दिन पहले है।

२. ***जन्म स्थानः-*** हिंदुस्तान में संभल नाम का कोई स्थान नहीं है।

दो स्थानों के नाम इससे मिलते हैं जो हैं संभलपुर और संभार झील। लेकिन वहां कोई नहीं जनता कि अवतार या पैग़म्बर जैसे किसी बड़े व्यक्ति ने वहां जन्म लिया हो। डॉ. वेद प्रकाश उपाध्याय (संस्कृत विद्वान, प्रयाग विश्वविद्यालय) कहते हैं के संभल स्थान की विशेषता है जहाँ किसी कोई शांति की अनुभूति हो। मुहम्मद (स.) मक्का में पैदा हुए जिसका नाम बलदिल अमीन (कुरआन ९५:३) बलद का अर्थ है शहर और अमीन का अर्थ है शांति। एन्स्यक्लोपीडिया ब्रिटानिका में भी मक्का को अमन (शांति) का शहर कहा गया है।

३. *पारिवारिक पृश्ठभूमिः–* भगवत पुराण के अनुसार कल्कि अवतार का जन्म पुरोहित के घर में होगा। हज़रत अब्दुल मुत्तलिब जो हज़रत मुहम्मद(स.) के दादा हैं, मक्का के मुख्य धर्मगुरू और क़ाबा के न्यासी भी थे।

४. *माता पिता का नामः–*

- कल्कि अवतार के पिता का नाम विष्णुयश था, जिसका अर्थ है विष्णु या भगवान के उपासक मुहम्मद (स.) के पिता का नाम अब्दुल्लाह है, जिसका अर्थ परमेश्वर का आज्ञाकारी।

- कल्कि पुराण के अनुसार, कल्कि अवतार की माँ का नाम होगा सुमति, अर्थात कोमल और विचारशील थीं। कल्कि पुराण अपने शहर से उत्तर की ओर जायेगा हैं, और फिर वापस आएगा। मुहम्मद(स.) अपने पैतृक शहर मक्का के उत्तर की तरफ मदीना चले गए थे और प्रवास के आठ साल बाद, वह फिर से मक्का विजयी हो कर लौटे। इस प्रकार वह अपने पैतृक शहर में वापस लौटे।

- कल्कि पुराण का कहना है कि कल्कि अवतार पहाड़ पर जाएगा वहां परशुराम से ज्ञान प्राप्त करेगा।

- यह एक ऐतिहासिक कथन है कि मोहम्मद (स.) गारे हिरा नामक गुफा में शांति और चिंतन के लिए जाते थे। ४० साल की उम्र में उन्हें ईशदूत जिब्राइल के द्वारा कुरान का ज्ञान हुआ।

- भगवत पुराण (१२:२:६) का कहना है के कल्कि अवतार दुनिया का रक्षक होगा। पवित्र कुरान में ईश्वर कहता है किः

  ''हमने मुहम्मद (स.) को रहमतउल लील आलमीन के रूप में भेजा है। (२१:१०७ कुरान)

  रहमत का अर्थ है रहम करने वाला और आलमीन का मतलब है दुनिया। इसका मतलब है कि दुनिया को मुहम्मद (स.) से पृथ्वी पर उनके शांतिपूर्ण जीवन, मुक्ति, मोक्ष और सफलता के लिए मार्गदर्शन मिलेगा।

- कल्कि पुराण (२:५) का कहना है कि कल्कि और उसके चार साथिओं की मदद से कल्कि अवतार काली अर्थात शैतान को परास्त करेगा। डब्लू.एल लैंगर (एन्स्यक्लोपीडीया ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री, पृष्ठ संख्या १८४) का कहना है कि मोहम्मद (स.) और उनके चार साथी जैसे अबू बकर, उमर, उस्मान और अली ने इस्लाम के सन्देश को आम किया और पुरानी अमानवीय परंपरा की समाप्ति की।

- कल्कि पुराण (२:७) कहता है, कल्कि अवतार की युद्धक्षेत्र में स्वर्गदूतों के द्वारा सहायता की जाएगी। मुहम्मद (स.) और उनके साथी बद्र की लड़ाई में मुसलमान ३००० थे, जबकि दुश्मन १५००० सैनिकों से अधिक था। इन दोनों ही लड़ाईयों में, और अन्य कई बार दुश्मन पर विजय के लिए स्वर्गदूतों के व्दारा सहायता की गई। पवित्र कुरआन भी इसकी पुष्टि करता है। देखें अध्याय (३:१२३-१२५) (८:६), (२३:६) आदि।

- भगवत पुराण (१२:२:२१) का कहना है कि गंध, सुंगधमय होती थी जिसकी वजह से उनके चारों ओर हवा सुगंधित हो जाएगी।

  हदीस में है कि एक बार जब मुहम्मद (स.) सो रहे थे, तब उम्मे सलमा (रज़ी.) ने आपका पसीना जमा कर लिया। जब मुहम्मद (स.) जागे तो उन्होंने पूछा, मेरे पसीने के साथ तुम क्या करोगी? उम्मे सलमा (रज़ी.) ने कहा, इसे हम एक खुशबु के रूप में इस्तेमाल करेंगे।

  जो भी मुहम्मद (स.) से हाथ मिलाता था उसका हाथ दिनभर सुंगधित रहता था। (शमाइल तिरमिजी पृष्ठ २०८)

  मुहम्मद (स.) के दास अनस (रज़ी.) ने कहा, हम हमेशा जान जाते थे कब मुहम्मद(स.) कब अपने कक्ष से निकलते है, क्योंकी तब सारी हवा ही सुगन्धित हो जाती थी। (लाइफ ऑफ मुहम्मदः सर विलियम मुलरःपृष्ठ ३४२)

- भगवत पुराण कहते हैं (खंड२,२ अध्याय) में है कल्कि अवतार, आठ विशेष गुण, अर्थात बुद्धिमत्ता, सम्मानित वंश, स्वंय पर नियंत्रण, दिव्य ज्ञान, वीरता, अत्यंत दानशीलता, लघु भाषी और कृतज्ञता से सुसज्जित होंगे।

  गैर मुस्लिम लेखकों के व्दारालिखित पुस्तके भी मुहम्मद (स.) के गुणों की पुष्टी करती हैंः

1) Publisher- Smith alder & company(London)
2) Introduction to the speeches of Mohammed
   Author:- Lane pool,
   Publisher- Macmillion & company London)
3) Mohammed & Mohammed
   Author- R. Bos Worth Smith

- भागवत पुराण (१२:२:१६) में है के हजरत मुहम्मद (स.) को आठ गुण दिए जायेंगे जैसे तेज़ रफ़्तार घोड़ा और तलवार, जिससे वे दुराचारीयों का नाश करेंगे।
  ईश दूत हज़रत मुहम्मद(स.) को बुर्राक नामक तेज़ रफ़्तार घोड़ा दिया गया था।

  मुहम्मद (स.) के पास ७ घोड़े और ६ तलवारें थीं और इस्लामका संन्देश लोगों तक पहुँचाने के लिए यथा स्थिति इस्तेमाल करते थे।

- भगवत पुराण (१:३:२४) में है के कल्कि अवतार आखरी अवतार होंगे। दिव्य कुरान में भी हज़रत मुहम्मद(स.) को भी आखरी पैगम्बर कहा गया है।(३३:४०)

- पुराण का कहना है के कल्कि अवतार वैदिक धर्म की स्थापना करेंगे। हज़रत मुहम्मद (स.) ने कुरान के अनुसार धर्म की शिक्षा दी। और कुरान, वेद की लगभग सभी शिक्षाएं एक ही है की एक ईश्वर की उपासना और इंसानों की सेवा करना। अतः इस्लाम भी एक प्रकार से वैदिक धर्म है। ''वेद और कुरआन की शिक्षाएं'' पुस्तक में हम दोनों ही धार्मिक पुस्तकों के सामान श्लोकों का अध्ययन करेंगे। (यह पुस्तक

www.scribd.com पर मुफ्त उपलब्ध है।)

- कल्कि अवतार के बारे में वर्णित सारी विशेषताएँ हज़रत मुहम्मद (स) से मेल खाती हैं, इसलिए संस्कृत विद्वान जैसे डॉ.एम.ए श्रीवास्तव और पंडीत दहन्वीर उपाध्याय का कहना है के हज़रत मुहम्मद(स.) ही वे कल्कि अवतार हैं जिनकी सभी लोग अब तक प्रतीक्षा कर रहे है।

कृपया निम्न पुस्तकों का अध्ययन करें

1) Kalki avtar & hjrat Mohammed
Author- Dr. Vedprakash Upadhay
Publisher:- Jamhoor Book Depot, DEOBAND, (U.P) Pin:- 247554

2) Narashansa over antim rushi.
Author- Dr. Vedprakash Upadhay
Publisher:-Jamhoor Book Depot, DEOBAND, (U.P) Pin:- 247554

3) Mohammed over Bhartiya Dharm granth
Author- Dr. M.A. Srivastav
Publisher:-Msdhur Sandesh Sangam, E-20, Abdul Fazl Enclave, Jamia Nagar, New Delhi-110025.
E-mail : madhursandeshsandeshsangam@yahoo.com

4) Mohammed in the world Scriptures
Author- A.H. Vidyarthi
Publisher: Adam Publishers & Distributors, 1542, Pataudi House, Darya Ganj, New Delhi-110002.
www.adambooks.com

5) Muhammad in the Hindu Scriptures
Author- Dr. Ved Prakash Upaddhay
Publisher: A.S. Noordeen, P.O. Box 10066
50704 Kuala Lumpur. Tel:- 03-40236003
Fax :- 03-40213675.
E-mail- asnoordeen@yahoo.com, holybook@tm.net.my

- बुद्ध लोग वैदिक धर्म के २३ वें अवतार को मानते हैं क्योंकि गौतम बुद्ध २३ वें अवतार थे।

- मुसलमान वैदिक धर्म के २३वें अवतार को मानते हैं, क्योंकि हज़रत मुहम्मद (स.) २४ वें अवतार एवं कल्कि अवतार हैं।

- जब मनु (हज़रत नूह) के लोगों ने उनकी बात नहीं मानी तो एक बहुत बड़े सैलाब ने सारी दुनिया को घेर लिया और इसमें सिर्फ मनु के अनुयायी ही बच पाए। अगर मनु और उनके अनुयायी बाढ़ के बाद वैदिक धर्म को मान रहे हैं तो इस्लाम एक वैदिक धर्म ही है। और कुरान की यह आयत इसकी पुष्टि करती हैं:

"उसने वही धर्म तुम्हारे लिए निर्धारित किया जिसकी ताकीद हमने इब्राहीम और मूसा और ईसा को की थी, यह है कि धर्म को कायम (स्थापना) करो और उसके विषय में अलग अलग न हो जाओ।"
(कुरआन ४२:१३)

- कुरआन हमें जीवन के सर्वोच्च सिद्धांत सिखाता है जैसे अच्छा व्यवहार, सर्वव्यापी प्रेम और एकेश्वरवाद। हम इन्ही चीजों की झलक वेदों में भी देख सकते हैं।

- हम ने जो भी चर्चा यहाँ की, कल्कि अवतार और हज़रत मुहम्मद (स) के बीच का रिश्ता बताती है। लेकिन कोई कह सकता है कि हमने जो भी चर्चा की वो हमारी कल्पना मात्र थी और कोई ठोस सबूत नहीं है कि कल्कि अवतार ही मुहम्मद(स.) हैं या हज़रत मुहम्मद के बारे में पवित्र पुराणों में भविष्यवाणी की है।

अतः कल्कि अवतार साबित करने के लिए और हज़रत मुहम्मद (स) के बारे में पुरानों की भविष्यवाणी को समझने के लिए हम हिन्दू धर्म की कुछ पुस्तकों का हवाला देते हैं।

एतस्मिन्नन्तिरे म्लेच्छ आर्चार्य्येण समान्वितः।
महामद इति ख्यातः शिष्यशाखा समान्वितः।
(भ. पू. पर्व-३ खंड-३, अध्याय-३, श्लोक-५)

- भविष्य पुराण कहते हैं, किसी दूसरे देश में एक नबी, अपने साथियों के साथ आएगा। उसका नाम महामद होगा और वह एक मरूस्थलीय जगह पर प्रकट होगा। पंडित धरम वीर उपाध्याय ने एक प्रसिद्ध पुस्तक लिखी, अंतिम ईश्वर दूत जो १९२३ में नॅशनल प्रिंटिंग प्रेस, दरयागंज,नई दिल्ली से प्रकाशित की गई थी। अपनी पुस्तक में वह लिखते है, काग बुसंडी और गरूड़, समय की लंबी अवधि के लिए श्री राम के पास में रहे, वे श्री राम की सलाह का पालन भी करते थे और दूसरों को भी पालन करवाते थे। तुलसी दास जी ने संग्राम पुराण के अपने अनुवाद में इस सलाह का उल्लेख किया है। उन्होंने लिखा है कि शंकर जी ने निम्नलिखित शब्दों में अपने बेटे को भविष्य के धर्म के बारे में भविष्यवाणी की थी।

तुलसी दास जी की भविश्यवाणीः-

यहां न पक्षपात कछु राखहुं वेद, पुराण, संत मत भाखहुं	बिना किसी पक्षपात मैं संतो, वेदों और पुराणों की शिक्षाओं व्यक्त करते हैं।
संवत विक्रम दोऊ अनङ्ग। महाकोक नस चतुर्पतङ्ग	वह चार तारे (सूर्य) की वृद्धि के साथ सातवें बिक्रमी सदी में जन्म लेंगे।
राजनीति भव प्रीति दिखावै आपन मत सबका समझावै।	वह तर्क ब्दारा शासन के योग्य हो जाएगा (प्रेम और ज्ञान) या शक्ति के ब्दारा, वह अपनी शिक्षाओं को आम करेगा।
सुरन चतुसुदर सतचारी। तिनको वंश भयो अति भारी	उसके चार मातहतों की वजह से उसके अनुयायियों में वृद्धि होगी।
तब तक सुन्दर मद्दिकोया। बिना महामद पार न होया।	जब तक परमात्मा की किताब दुनिया में है, मुहम्मद के बिना, मुक्ति संभव नहीं है।
तबसे मानहु जन्तु भिखारी। समस्थ नाम एहि व्रतधारी।	लोग, भिखारी, कीड़े और जानवर उसका नाम लेने के बाद भगवान आज्ञाकारी हो जायेंगे।
हर सुन्दर निर्माण न होई तुलसी वचन सत्य सच होई।	उसके बाद उसके जैसे कोई पैदा नहीं होगा। तुलसी दास जो कहते हैं, वह वास्तव में हो कर रहेगा।

(मुहम्मद(स.) और भारतीय धर्म ग्रंन्थ-डॉ.एम.ए. श्रीवास्तव पृष्ठ-१८)

नागेन्द्र नाथ बसु व्दारा संपादित एन्स्यिक्लोपिडिया के दूसरे भाग में, ईश्वर और मुहम्मद(स.) के बारे में उपनिषदों के कुछ छंद इस प्रकार

आदल्ला बूक मेककम् अल्लबूक निखादकम् ।।४।	इस श्लोक का अनुवाद नहीं किया जा सका है।
अला यज्ञन हुत हुत्वा अल्ला सूर्य्य चन्द्र सर्वनक्षत्राः ।।५।	अल्लाह सदियों से पूजनिय है। सूरज, चाँद और सितारे अल्लाह के ही हैं।
अल्लो ऋषीणां सर्व दिव्यां इन्द्राय पूर्व माया परमन्तरिक्षा ।।६।।	अल्लाह के साधुओं का है। वह सभी से महान है, इंद्र के पहले भी था और ब्रम्हांण्ड से भी ज्यादा रहस्यमय है।
अल्लः पृथिव्या अन्तरिक्ष्ज्ञं विश्वरुपम् । ७।।	अल्लाह की झलक पृथ्वी, आकाश और ब्रम्हांड की हर चीज़ में हैं।
इल्लांकबर इल्लांकबर इल्लां इल्लल्लेति इल्लल्लाः ।।८।।	अल्लाह महान है, अल्लाह महान है, उसके बराबर कोई नहीं।
ओम् अल्ला इल्लल्ला अनादि	ओम का मतलब है अल्लाह। हम उसके या उसकी शुरूआत या अंत का पता नहीं लगा सकते। हम बुराई के खिलाफ संरक्षण के लिए इसी अल्लाह से प्रार्थना करते है।
दे स्वरुपाय अथर्वण श्यामा हुह्री जनान पशून सिध्दान जलवरान् अदृष्टं कुरु कुरु फट ।।९	हे अल्लाह। दृष्ट अपराधियों का विनाश कर जो धार्मिक लोगों को गुमराह करते हैं, और पानी के जीव की बुराई से हमें बचा।
असुरसंहारिणी हूं ह्रीं अल्लो रसूल महमदरकबरस्य अल्लो	अल्लाह बुरी शक्तियों का नाश करने की क्षमता रखता है और महान मोहम्मद(स.) अल्लाह के पैगंबर है।
अल्लाम् इल्लल्लेति इल्लल्ला ।।१०।।	अल्लाह, अल्लाह है। कोई भी उसके जैसा नहीं।

(इति अल्लोपनिषद मुहम्मद(स.) और भारतीय धर्म ग्रंन्थ-डॉ.एम.ए श्रीवास्तव पृष्ठ-३०)

गोरखपुर के गीता प्रेस व्दारा प्रकाशित पत्रिका कल्याण मैगजीन अपने विशेष उपनिषीदांक नामक अंक में २२० उपनिषदों का उल्लेख किया है इन २२० उपनिषदों में से अल्लोपनिषद १५वें स्थान पर है। डॉ.वेद प्रकाश उपाध्याय ने भी अपनी पुस्तक वैदिक साहित्य एक विवेचना में अल्लोपनिषद का उल्लेख किया है। इस पुस्तक को १९८९ में प्रदीप प्रकाशन ने प्रकाशित किया।

- पवित्र वेद लगभग ४००० साल पुराने हैं। वह दिव्य किताबें जो वेदों के बाद आई, उन में भी निम्नलिखित शब्दों में हजरत मोहम्मद(स.) के आने की भविष्यवाणी मिलती हैः

यहूदी धर्म में भविश्यवाणीः

मैं उनके लिए उनके भाइयों के बीच में से (मूसा की तरह) एक नबी को उत्पन्न करूँगा; और में अपना वचन उसके मुंह में डालूँगा; और मैं अपना वचन उसके मुंह में डालूँगा; और जिस बात उसे मैं आगया दूंगा वही उनको कह सुनाऊंगा।(ओल्ड टेस्टामेंट,इटेरोनोमी १८:१८)

ईसाई धर्म में भविश्यवाणीः

यीशु मसीह पवित्र बाइबिल में कहते हैंः

मैं तो तुम्हें मन फिराव के लिए पानी से बपतिस्मा एता हूँ। परन्तू जो मेरे बाद आने वाला है, वह मुझसे शक्तिशाली है, मैं उसकी जूती उठाने योग्य नहीं। वह तुम्हे पवित्र आत्मा और आग से बप्तिसमा देगा। (सेंट मैथिऊ ३:११)

मूल हिब्रु बाइबिल के ओल्ड टेस्टामेंट, सुलेमान की किताब (अध्याय ५, श्लोक१६) कहते है;

''हिक्को मुमित्ताकिम वे कुल्लो मुहम्मदिम ज़ेहदूदेह व ज़ेहरई बयना जेरूसलेम'' (ओल्ड टेस्टामेंट, बुक ऑफ सुलेमान अध्याय ५, श्लोक १६)

उसके बोल कितने मीठे हैं, वह बहुत प्यारा है। ऐ जेरूसलेम की बेटिओं, मुहम्मद मेरा प्यारा और मेरा दोस्त है।(हिब्रू भाषा में नाम के साथ 'इम' आदर के लिए लगाया जाता है, इस लिए यहाँ पर नाम मुहम्मादिम आया है।)

बौद्ध धर्म में भविश्यवाणीः

दिव्य पुराण में है के गौतम बुध्द ईश्वर के २३वें अवतार हैं। गौतम बुध्द ने अपने भक्त नंदा से कहा, हे नंदा, इस दुनिया में मैं पहला बुध्द नहीं हूँ और न ही मैं आखरी हूँ। आने वाले समय में, इस दुनिया में एक बुध्द दिखाई देंगे, जो सच्चाई और दान सिखाऐंगे। शुध्द और पवित्र शिक्षाएं देगा। उसका दिल साफ होगा। वह ज्ञानी होगा। वह लोगों का नेता होगा और सभी पुरूष उससे मार्गदर्शन लेंगे। वह सत्य सिखाएगा। वह दुनिया को जीवन का एक रास्ता देगा, जो शुध्द और पूर्ण होगा। हे नंदा, उसका नाम मैत्रेय होगा।
(गोस्पेल ऑफ बुध्द-केरस पृष्ठ २१७)

डॉ. वेद प्रकाश उपाध्याय अपनी किताबें (दो पुस्तकें जिनका पहले उल्लेख हुआ है) सिध्द कर चुके है कि इन पवित्र धार्मिक पुस्तकों में सभी भविष्यवाणियाँ हज़रत मुहम्मद के लिए ही हैं।

यह सब लिखने का उद्देश्य क्या है? अगर हम विदेश जाएँ जहाँ पर हर एक नया और अपरिचित हो, ऐसे में हमें अगर मालूम हो के उन्हों में से एक व्यक्ति हमारे देश का है तो उसके विषय में बिना कुछ जाने ही दोस्ती, सहानुभूति और आकर्षण का एहसास होता है क्यों कि उस व्यक्ति और हमारे बीच कुछ समानता है और वह है मातृभूमि।

यह समानता का विचार दो अपरिचतों के बीच की दुरी को कम करता है। ऐसा ही उस समय भी होता है जब हम अपने और दूसरे धर्मों के बीच समान बातों को जानें। अब हमने जाना के हिन्दू धर्म के पवित्र नराशंस और इस्लाम के हज़रत मुहम्मद(स.) एक ही हैं। यह समानता का एहसास हिंन्दू-मुस्लिम के बीच के बैर को कम कर देगा। यह जानकारी हमें आम लोगों के बीच फैलाना चाहिए, जिससे उनके बीच भेद भाव कम हो और मानव जीवन में शांति आए और संसार के लोग फलें फुलें।

MR. Q. S. KHAN

IS ALSO AUTHOR OF FOLLOWING BOOKS.

1. Introduction to Hydraulic Presses.
2. Design and Manufacturing of Hydraulic cylinders.
3. Study of Hydraulic Valves, Pumps and Accumulators.
4. Study of Hydraulic Accessories
5. Study of Hydraulic Circuit
6. Study of Hydraulic Seals, Fluid Conductor, and Hydraulic Oil.
7. Essential knowledge required for Design and Manufacturing of Hydraulic Presses.
8. Law of success for both the Worlds.
   (This book is also translated in Marathi language with title "Yashachi Gurukilli")
9. Hajj. Journey Problems and their easy Solutions.
   (This book is translated in Urdu, Hindi, Gujarati, and Bengali languages)
10. Teachings of Vedas and Quran

ALL ABOVE BOOKS ARE AVAILABLE FOR FREE READING ON:

www.scribd.com

www.freeeducation.co.in